कृष्ण – अर्जुन

मुख कृष्ण	–	कर्ण अर्जुन।
प्रेम कृष्ण	–	प्रेमी अर्जुन।
ज्ञान कृष्ण	–	ध्यान अर्जुन।
पूर्ण कृष्ण	–	अभाव अर्जुन।
रस कृष्ण	–	लीन अर्जुन।
नारायण कृष्ण	–	नर अर्जुन।
ज्ञाता कृष्ण	–	ध्याता अर्जुन।
गुरु कृष्ण	–	शिष्य अर्जुन।
आनन्द कृष्ण	–	उपासक अर्जुन।
भगवान कृष्ण	–	भक्त अर्जुन।
बाबा कृष्ण	–	बनासा अर्जुन।
मैं कृष्ण	–	तू अर्जुन।
सिन्धु कृष्ण	–	बिन्दु अर्जुन।
गीत कृष्ण	–	तान अर्जुन।
प्राण कृष्ण	–	वाणी अर्जुन।
रूप कृष्ण	–	अनुरूप अर्जुन।
कवि कृष्ण	–	काव्य अर्जुन।
रवि कृष्ण	–	किरण अर्जुन।

सोम कृष्ण – अमृत अर्जुन।
मान कृष्ण – अभिमान अर्जुन।
पुरूष कृष्ण – प्रकृति अर्जुन।
वाह कृष्ण – आह अर्जुन।
बीज कृष्ण – वृक्ष अर्जुन।
हृदय कृष्ण – हाथ अर्जुन।
प्रारब्ध कृष्ण – पुरुषार्थ अर्जुन।
अ कृष्ण – क अर्जुन।
स्थिति कृष्ण – गति अर्जुन।
निवृति कृष्ण – प्रवृति अर्जुन।
हास कृष्ण – विलास अर्जुन।
शुक्ल कृष्ण – कृष्ण (पक्ष) अर्जुन।
हरि कृष्ण – हर अर्जुन।
व्योम कृष्ण – वायु अर्जुन।
आज कृष्ण – कल अर्जुन।
रास कृष्ण – नृत्य अर्जुन।
भाव कृष्ण – भाषा अर्जुन।
माला कृष्ण – पुष्प अर्जुन।
आदि कृष्ण – अनन्त अर्जुन।

....2